इकाई - 2 Date - 08.06.2020

Topic - कक्षा - कक्ष में प्रयोग में लाए जाने वाली आकलन की कुछ प्रविधियाँ :-

Ans → सामान्यतया बच्चों की उपलब्धियों के आकलन के लिए निम्नलिखित प्रकार की प्रविधियाँ अपनायी जा सकती है -

(1) परीक्षण → हम किसी भी बच्चे का शैक्षणिक मूल्यांकन प्रश्न पत्र द्वारा कर सकते हैं। प्रश्नों के क्रम के द्वारा विद्यार्थियों के सामान्य गणित के ज्ञान की जाँच की जाती है। जब हम प्रश्नपत्र तैयार करते हैं तो उसमें हम प्रश्नों को आधार बनाते हैं। प्रश्न दो प्रकार से तैयार किए जाते हैं -

(a) मुक्त प्रश्न / मुक्त उत्तरीय प्रश्न
(b) बंद प्रश्न / सीमित उत्तर वाले प्रश्न

(a) मुक्त प्रश्न → मुक्त अंत प्रश्नों में बच्चे गणितीय अवधारणाओं को अपने तरीकों से प्रस्तुत कर सकते हैं। उदाहरण - लघु उत्तरात्मक प्रश्न, निबंधात्मक प्रश्न। ऐसे प्रश्न गणित में अवधारणाओं को स्पष्ट करते तथा इबारती प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए छात्रों को दिए जाते हैं।

(b) बंद प्रश्न → बंद अंत प्रश्नों में बच्चों को प्रश्न के विकल्प में एक को छाँटना होता है। बंद अंत प्रश्नों के प्रकार बहुविकल्प प्रश्न - कई विकल्प में से एक को चुनना / सत्य = असत्य, हाँ और ना में उत्तर देना / मिलान - सही विकल्प का मिलान करना / खाली स्थान - खाली जगह के स्थान पर सही विकल्प / कठिन प्रश्न - पाँच शब्दों के एक समूह में से अलग शब्द निकालना।

(2) निर्माणात्मक रचनात्मक आकलन : →

बच्चों को लगातार प्रतिपुष्टि के लिए निर्माणात्मक आकलन सहायक है। निर्माणात्मक आकलन में अध्यापक पढ़ाते समय यह जाँच करते हैं कि बच्चे ने अनुभूतियों, अभिव्यक्तियों, अवधारणाएँ और ज्ञान को कितना ग्रहण किया है। निर्माणात्मक आकलन पाठ के बीच-बीच में से किया जाता है।

(3) संकलनात्मक आकलन → संकलनात्मक आकलन सत्र के अंत में होता है। अध्यापक द्वारा पढ़ाने के बाद यह देखना कि बच्चों ने ज्ञान को किस हद तक ग्रहण किया है। उदाहरण - किसी गणितीय अवधारणा को पढ़ाने के बाद जब अध्यापक बच्चों से प्रश्न करता है तो वह संकलनात्मक / योगात्मक मूल्यांकन कहलाता है।

NEXT